B.Com (HONS)
P1 - A/cs (H)
Paper - I
Financial Accounting
Date- 23.05.2020

प्रो० धनंजय कुमार
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य विभाग
V.S.J. महाविद्यालय
(राजनगर (मधुबनी))

UNIT - I.
TOPIC - ACCOUNTING CYCLE
JOURNAL, LEDGER, TRIAL BALANCE

(1) **JOURNAL** :— सामान्यतः Journal का शाब्दिक अर्थ - रोजाना का लिखित कार्य करना होता है. Journal फ्रेंच भाषा के शब्द JOUR से लिया गया है जिसका अर्थ रोजाना का लेखा होता है. यह व्यवसायिक वित्तीय सौदों के लेखा करने की प्रारंभिक एवं आधारभूत पुस्तक है.

कुछ विद्वानों ने इसे निम्न प्रकार से परिभाषित है:—

(a) एम० जे० कीलर के अनुसार,— "रोजनामचा एक व्यवसायिक लेखा प्रलेख है जिसमें मूल रूप से व्यवसायिक व्यवहारों का लेखा किया जाता है, जो समस्त व्यवहारों को संगठित व व्यवस्थित रूप से, तिथि के क्रम में एक स्थान पर प्रस्तुत करता है."

(b) कार्टर के अनुसार — "रोजनामचा प्रारंभिक आँकड़ों की वह पुस्तक है जिसमें स्मरण बही या कच्चा बही से तिथिवार लेन-देनों का लेखा किया जाता है, लेखा करने से उन्हें नाम तथा जमा में वर्गीकृत किया जाता है ताकि खाताबही में खतौनी करने में सुविधा हो."

(c) एस० सी० कूपर के अनुसार,— "रोजनामचा एक ऐसी पुस्तक है जो व्यवहारों को उस रूप में वर्गीकृत करने या ढालने हेतु प्रयोग की जाती है, जिससे खाता बही में प्रविष्टि करने में सुविधा बनती है."

Scanned with CamSc

उपरोक्त तथ्यों एवं परिभाषाओं के आधार पर यह कहा जा सकता है कि Journal एक ऐसी बही या डायरी है जो दोहरा लेखा प्रणाली की प्रारंभिक सहायक बही है। इसके अंतर्गत स्मरण बही से क्रमानुसार, तिथिवार एवं नियमानुसार व्यवहारों की प्रविष्टियाँ की जाती हैं, जो प्रमाणकों पर आधारित होती हैं।

Journal का निर्माण निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु किया जाता है —

— (a) समस्त लेन-देनों को तिथि व क्रमानुसार लिखना।
— (b) लेन-देनों का वर्गीकरण नाम (Debit) व जमा (Credit) में करना।
— (c) लेन-देनों को [redacted] खाता-बही में खतौनी करने में सुविधा हेतु।
— (d) लेन-देनों की पूर्ण जानकारी [redacted] प्रदान करना तथा
— (e) तीसरे पक्षकारों के साथ उत्पन्न विवादों का निपटारा करने।

## ADVANTAGES OF JOURNAL

रोजनामचा के लाभ :— समस्त व्यवहारों का नियमानुसार रोजनामचे में प्रविष्ट (इन्द्राज) से व्यवसाय को निम्नलिखित लाभ की प्राप्ति होती है :—

(a) अशुद्धियों की कम संभावना होना अर्थात् प्रत्येक व्यवहार का वर्गीकरण करके उन्हें संबंधित खातों की डेबिट और क्रेडिट की ओर लिखा जाता है। तथा उसकी सहायता से ही संबंधित खातों की डेबिट और क्रेडिट की ओर खतौनी की जाती है, यह कार्य Journal एवं Ledger दोनों में एक दूसरे की पूरक संरचना होने के कारण लेखों की जाँच भी होती रहती है। परिणामतः अशुद्धियाँ होने की संभावना कम होती है।

(b) क्रमबद्ध लेखा होना अर्थात् इसके अंतर्गत प्रत्येक लेखा को तिथि के क्रम में लिखा जाता है, जिससे किसी भी लेखे की [redacted] प्रविष्टि की छूटने की संभावना नहीं रहती है तथा लेन-देनों का तलाश करना सरल हो जाता है।

Scanned with CamSc

(c) लेनदेनों का पूर्ण वर्णन होना अर्थात् इसमें लेन-देन से संबंधित तिथी, व राशि तथा डेबिट व क्रेडिट खाता को लिखा जाता है; साथ-ही साथ अंत में लेनदेनों का विवरण (Narration) भी दिया जाता है, परिणामत: लेन-देनों से संबंधित पूर्ण जानकारी एक ही स्थान पर प्राप्त हो जाती है।

(d) प्रमाण के रूप में प्रयोग अर्थात् विवाद उत्पन्न होने की स्थिति में अपने पक्ष को प्रस्तुत करने के लिए, न्यायालय के द्वारा मांगे जाने पर प्रमाण के रूप में Journal को प्रस्तुत किया जा सकता है।

(e) लेखों की आधारभूत पुस्तक होना अर्थात् Journal व्यवसाय के वित्तीय सौदों का लेखा करने की प्रारंभिक पुस्तक के रूप में अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।

## LIMITATION OF JOURNAL

Journal की लेखांकन में उपयोगिता के पश्चात् इसकी निम्नलिखित सीमाएँ हैं:—

(a) बड़े आकार के व्यावसायिक इकाइयों के लिए कठिनाई होना, क्योंकि लेनदेन बहुत अधिक होने के कारण Journal का आकार अनावश्यक रूप से बढ़ जाना।

(b) रोकड़ का मिलान करने में कठिनाई होना।

(c) जर्नल से खाता बही में खतौनी (Posting) करने में अत्यधिक समय की आवश्यकता होना।

(d) आवश्यक सूचना शीघ्र प्राप्त करने में कठिनाई होना।